दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 बक्शीपुर में बंद रहीं दुकानें | 5 पत्नी की गला काटकर हत्या | 8 हाईप्रोफाइल रिंग सेरेमनी में क्रिकेटर्स ने किया एंजाय

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 50 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 09 जून,2025

शादी, हनीमून और फिर हत्या

कई दिन बाद राजा का शव मिला, 17 दिन बाद सोनम ही निकली कातिल

इंदौर । जिस जोड़े को लेकर रहस्यमयी स्थितियां पैदा हो गई थीं, उसकी गुत्थी मेघालय ने सुलझा ली है। पुलिस ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। 23 मई से लेकर अब तक मामले में कब–कब और क्या–क्या हुआ? मध्य प्रदेश के इंदौर से हनीमून मनाने के लिए मेघालय पहुंचे एक जोड़े के लापता होने का मामला चर्चा में था। 23 मई को जब यह जोड़ा लापता हुआ, तब माना जा रहा था कि मेघालय के सोहरा क्षेत्र में घने जंगलों और कम आबादी की वजह से पति–पत्नी की खोज–खबर नहीं मिल पा रही है। इसके बाद मामला उलझता चला गया। लापता युवक का शव दो जून (सोमवार) को 150 फीट गहरी खाई में मिला था। युवक की पत्नी ने 17 दिन बाद उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में आत्मसमर्पण किया। 18 दिन से मामले की जांच में जुटी मेघालय पुलिस ने आखिरकार गुत्थी को सुलझा लिया।

मौत की जानकारी के बाद उलझता गया केस?

इंदौर के इस जोड़े के लापता होने का केस राजा का शव मिलने के बाद और उलझ गया था। दरअसल, भारी बारिश के बीच मेघालय पुलिस ने ड्रोन्स के जरिए राजा का शव ढूंढा। उनका शव बुरी तरह सड़ चुका था और चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। परिजनों ने एक टैटू के जरिए शव की पहचान की। हालांकि, राजा के शव के आसपास खोजबीन पर भी सोनम का कुछ पता नहीं चला था। परिजनों का कहना था कि अगर सोनम सुरक्षित होती तो खुद ही किसी से संपर्क करती, लेकिन उसका कोई पता नहीं है।

इतना ही नहीं राजा का शव वोइसाडोंग नाम की जगह पर मिला था। इस खोज अभियान में एसडीआरएफ, स्पेशन ऑपरेशन टीम और एक माउंटेनियरिंग क्लब भी शामिल था। वोइसाडोंग में जहां शव मिला, वह जगह राजा–सोनम की तरफ से किराए पर ली गई स्कूटी की लोकेशन से 25 किलोमीटर की दूरी है। यह फासला मामले में और शक बढ़ाने वाला बना। राजा के शव के पास से न उनका मोबाइल मिला, न पर्स, और न ही राजा की पहनी सोने की चेन और अंगूठी। सिर्फ उसकी स्मार्टवॉच ही कलाई पर बंधी मिली थी।

राजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ था सनसनीखेज खुलासा

राजा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शरीर पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। लाश को खाई में फेंकने से शरीर की हड्डियां भी टूट गई थीं। शिलॉन्ग एसपी विवेक सिम ने इसकी पुष्टि की। पुलिस को घटनास्थल से ही राजा की हत्या में इस्तेमाल हथियार– डाओ भी मिला, जिसे जब्त कर लिया गया। इसके अलावा फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स ने आसपास के इलाकों में भी खोज जारी रखी है। पुलिस के मुताबिक, यह डाओ एकदम नई लग रही है, जिससे अंदेशा है कि इसे हत्या के इरादे से ही खरीदा गया होगा।

मेघालय में पत्नी ने ही कराई हत्या भाड़े पर बुलाए हत्यारे

मेघालय में हनीमून के दौरान इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि राजा की हत्या कराने में उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी का हाथ था। उसने ही भाड़े के हत्यारे बुलाए थे। डीजीपी नोंगरांग ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि हत्या के सिलसिले में पत्नी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

चिराग पासवान का बड़ा एलान कहा- NDA की मजबूती के लिए मेरी पार्टी 243 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस सिलसिले में केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और यह लड़ाई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (छक।) को मजबूत करने के उद्देश्य से लड़ी जाएगी। भोजपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

घायल, खाना खाने में युवक पर किया हमला– गंभीर

गोरखपुर। पहली घटना में बांसगांव के वार्ड 10 निवासी सलमा ने तहरीर देकर अपने मामा नौशाद पर पति विक्की यादव पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया है। दूसरी घटना, बांसगांव थाना क्षेत्र के पख्खनपुर गांव की है। शुक्रवार की रात मुंडन में भोज के दौरान राहुल दोस्तों के साथ खाना खा रहा था। तभी घात लगाकर बैठे सन्नी बेलदार ने धारदार हथियार से राहुल के गले पर हमला कर दिया। बांसगांव नगर पंचायत के वार्ड दस व पख्खनपुर में शुक्रवार को हुई चाकूबाजी की घटना में दो युवक घायल हो गए। स्थानीय सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया। एक का लखनऊ और दूसरे का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक मामले में पति पर जानलेवा हमले के मामले में भांजी ने मामा पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज करवाया है। जबकि दूसरे में युवक पर जानलेवा हमले के आरोपी पर केस दर्ज कर पुलिस गिरफ्तारी में जुटी हुई है। पहली घटना में बांसगांव के वार्ड 10 निवासी सलमा ने तहरीर देकर अपने मामा नौशाद पर पति विक्की यादव पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया है। तहरीर ने उसने बताया कि दो वर्ष पहले विक्की यादव के साथ उसने प्रेम विवाह किया था। विवाह को लेकर मामा नौशाद शुरू से ही विरोध करते रहे। मैं अपने पति के साथ बकरीद का पर्व मनाने घर आई थी। मेरे मामा नौशाद भी घर आए थे। शुक्रवार की दोपहर तीन बजे विक्की नौशाद को दिया अपना पैसा मांगने लगा। नौशाद ने घर में मौजूद धारदार हथियार से मेरे पति के गर्दन पर हमला कर दिया। हमले में विक्की की गर्दन कट गई।

गोरखपुर चिड़ियाघर के बाघ

चीता और तेंदुए के मौत की वजह बत्तख... केंद्रीय टीम की इस रिपोर्ट में खुलासा

गोरखपुर। एक मई को हुई ओलावृष्टि के बाद रामगढ़ताल में 20 से भी ज्यादा बत्तख मर गई थीं। सात मई को चिड़ियाघर के अस्पताल में बाघिन शक्ति की मौत हो गई थी। इसके बाद जांच के लिए शक्ति का विसरा राष्ट्रीय उच्च पशु रोग संस्थान, भोपाल भेजा गया था, जिसमें बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि कौओं ने मरी हुईं बत्तखों को खा लिया और चिड़ियाघर में घूमने लगे। बर्ड फ्लू हवा में तेजी से फैलता है, इसी वजह से जानवर भी संक्रमित हो गए। चिड़ियाघर और शहर के अन्य हिस्सों में बर्ड फ्लू संक्रमण बत्तखों से फैला है। बत्तख से यह संक्रमण कौओं में फैला, जिसके बाद कौओं ने इसे चिड़ियाघर और मीट की दुकानों तक पहुंचा दिया। पिछले दिनों संक्रमण की जांच के लिए चिड़ियाघर आई केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की टीम की रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है। चिड़ियाघर के वेटलैंड और रामगढ़ताल में सर्द मौसम में बड़ी संख्या में हर साल प्रवासी पक्षी आते हैं। इसमें लेसर विसलिंग डक, कॉमन कूट समेत बत्तखों की कई प्रजातियां शामिल हैं। बत्तखों को आमतौर पर बर्ड फ्लू का कैरियर माना जाता है। विश्वभर में हुए कुछ शोध में सामने आया है कि बत्तख बर्ड फ्लू फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

'आतंकवाद से लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ', ट्रंप के मंत्री का भारतीय प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। अमेरिकी उप–विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से यह बात कही। उन्होने यह बात प्रतिनिधिमंडल की ओर से उन्हें पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का रुख बताए जाने के बाद कही।

सम्पादकीय

चिड़ियाघर पर भी निजी क्षेत्र का कब्जा!

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय के बीच इस संदर्भ में कई बैठकें हो चुकी हैं, जिसमें गुजरात के जामनगर में स्थित वनतारा परियोजना की तर्ज पर दिल्ली चिड़ियाघर को आधुनिक रूप देने की योजना पर चर्चा हुई है। खबर है कि दिल्ली चिड़ियाघर को जल्द ही निजी हाथों के जिम्मे सौंपा जा सकता है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय के बीच इस संदर्भ में कई बैठकें हो चुकी हैं, जिसमें गुजरात के जामनगर में स्थित वनतारा परियोजना की तर्ज पर दिल्ली चिड़ियाघर को आधुनिक रूप देने की योजना पर चर्चा हुई है। नई योजना के तहत चिड़ियाघर में वन्यजीवों को उनकी प्राकृतिक जीवनशैली के करीब वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिनमें वातानुकूलित चिकित्सा केंद्र, आधुनिक पुनर्वास केंद्र आदि शामिल होंगे। जानवरों को खुले जंगल जैसी आजादी देने की भी योजना है ताकि वे अपनी प्राकृतिक प्रवृत्ति के अनुसार जीवन बिता सकें। जानवरों को बेहतर परिस्थितियों में रखना, उनके इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था और लुप्तप्राय प्राणियों के संरक्षण का प्रयास, यह सब सुनने में काफी अच्छा लगता है। मगर गौर करें तो इसमें निजीकरण का बड़ा षड्यंत्र दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि 214 एकड़ में फैला दिल्ली चिड़ियाघर एशिया के बेहतरीन चिड़ियाघरों में से एक है। यहां अलग–अलग महाद्वीपों से लाए गए पशु– पक्षियों की लगभग 22 हजार प्रजातियां और 200 प्रकार के पेड़ हैं। एक पुस्तकालय भी है, जहां वन्यजीव, जैव विविधता आदि पर ढेरों पुस्तकें हैं। कहने का आशय यह कि इतने उम्दा चिड़ियाघर को और बेहतर बनाने की मंशा अगर सरकार की है तो उसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाकर चरणबद्ध तरीके से उसे लागू किया जा सकता है। अब तक जिस तरह वन्य जनजीवन पर पूरी तरह सरकार का नियंत्रण रखकर संरक्षण–संवर्धन किया जाता रहा है, वही सिलसिला जारी रखने में आखिर अब क्यों अड़चन आ रही है, क्यों चिड़ियाघर के आधुनिकीकरण के नाम पर निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खोले जा रहे हैं। इसका जवाब सरकार अच्छे से जानती है, लेकिन शायद कार्पोरेट पूंजी का दबाव इतना बढ़ चुका है कि अब सरकार के लिए किसी भी बात पर ना कहना संभव नहीं रहा। पूंजीवाद का मुंह सुरसा की तरह बढ़ता जा रहा है और इसमें जितने भी निवाले चले जाएं, सब कम ही पड़ेंगे। तीन–चार दशक पहले जब बोतलबंद पानी की बिक्री शुरु हुई तो सवाल उठे थे कि प्रकृति की इस अनुपम देन पर सौदेबाजी कैसे की जा सकती है, क्या कल को हवा भी बिकेगी। और देखिए कि अब पानी भी बिकता है, प्राणवायु यानी ऑक्सीजन भी बिकती है, इसे न्यू नॉर्मल मान लिया गया है। छत्तीसगढ़ में नदी और तालाब बिकते सबने देखा है। निजीकरण का दायरा बढ़ता गया तो विमानतल, रेलवे, दूरसंचार, खनिज संपदा से भरी खदानें, बंदरगाह, सब बिक गए।

शिक्षा और स्वास्थ्य तो पहले ही निजी हाथों के हवाले हो चुके हैं। एक तरह से देखा जाए तो मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं, बुनियादी सुविधाओं से लेकर जीवन को बेहतर बनाने वाले हर क्षेत्र में व्यापार का शिकंजा कस गया। यह सब अकेले कारोबारियों के बस की बात नहीं थी, अगर ऐसा तो पुराने जमाने में सेठ–साहूकार ही सरकार चलाते। लेकिन जब तक लोकतंत्र और सत्ता का इकबाल बुलंद था, तब तक कारोबारियों, उद्योगपतियों को मुनाफाखोरी की खुली छूट नहीं मिली थी। उन्हें अपनी पीठ पर हाथ रखने की इजाजत न किसी प्रधानमंत्री ने दी, न किसी मुख्यमंत्री ने दी। लेकिन अब यह सब पूरी निर्लज्जता के साथ होता है। अब सरकारी अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों का भूमिपूजन या शिलान्यास प्रधानमंत्री करते हैं, और जनता को बताते हैं कि आपको सौगात दे रहा हूं। उसके बाद वह बना या नहीं बना, इसकी चर्चा नहीं होती।

सौगात सरकारी फाइलों में बंद हो जाती है। लेकिन निजी अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों का उद्घाटन प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों के हाथ होता है और समाज सवाल भी नहीं करता कि इनकी मुनाफाखोरी में आप हिस्सेदार हैं या नहीं, क्योंकि आखिर उसे पढ़ने, इलाज करने, आवागमन, वार्तालाप करने सबके लिए निजी क्षेत्रों पर निर्भर रहने की मजबूरी हो गई है। जबकि इन बुनियादी सुविधाओं के लिए वह भारी शुल्क अदा करता है और सरकार को कर चुकाता है, वह अलग। जब इंसानी जिंदगी के नाम पर इतना मुनाफा निजी क्षेत्र कमा रहे हैं, तो फिर जल, जंगल, जमीन, जानवर क्यों बख्शे जाएं।

लिहाजा अब दिल्ली चिड़ियाघर के निजीकरण की सुगबुगाहट चल रही है। अगर यह योजना वाकई सफल हो जाती है, तो दिल्ली के पुराना किले के पास की इतनी बड़ी जमीन पर मनमाने खेल करने की छूट उस कंपनी को मिल जाएगी, जिसके पास चिड़ियाघर का मालिकाना हक हो जाएगा।

जामनगर में बना वनतारा बनने की हकीकत तो देश देख ही चुका है। खुद प्रधानमंत्री उसका उद्घाटन कर आए। प्राणिविशेषज्ञ सवाल करते रह गए कि किस तरह दुनिया भर के वन्यजीवों को इस तरह लाने और निजी जंगल में पालने की अनुमति दी गई।

बीमार जानवरों की देखभाल की आड़ में अगर कोई अवैध कारोबार हो रहा होगा, तो उसकी जवाबदेही कैसे तय होगी, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला। जानवरों की खाल, नाखून, सींगों समेत उनके अंदरूनी अंगों की वैश्विक बाजार में बड़ी मांग है। दवा, वस्त्र, सौंदर्यप्रसाधन आदि में इनका इस्तेमाल होता है।

ऐसे में क्या गारंटी है कि पशु संरक्षण की आड़ में अवैध कारोबार नहीं होता, न आगे होगा। वनतारा के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री पहुंचे तो फिल्म, खेल और मीडिया जगत के तथाकथित सितारों ने भी इसकी तारीफ की। उनसे पूछा जाना चाहिए कि आप किस हैसियत से निजी जंगल और वहां पल रहे जानवरों की हिमायत कर सकते हैं, क्या वे वन्यजीव संरक्षण के जानकार हैं। अगर नहीं तो फिर इस प्रचार से उन्हें कौन सा लाभ मिल रहा है, यह पूछा जाना चाहिए। वनतारा की तर्ज पर दिल्ली चिड़ियाघर को विकसित करने की खबर सावधान करने के लिए काफी है कि निजीकरण कैसे केवल इंसानों नहीं बल्कि प्रकृति को भी अपनी जद में लेता जा रहा है।

विदेश नीति में नाकामी के कुछ और उदाहरण

प्रधानमंत्री मोदी भारत की विदेश नीति और विदेशों में भारत की साख को बचाने में किस कदर नाकाम हो चुके हैं

प्रधानमंत्री मोदी भारत की विदेश नीति और विदेशों में भारत की साख को बचाने में किस कदर नाकाम हो चुके हैं, इसके कुछ और उदाहरण सामने आए हैं। एशियाई विकास बैंक या एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने पाकिस्तान के लिए 668 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी है। पाकिस्तान को ये रुपये राजकोषीय स्थिति को बेहतर करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दिए जा रहे हैं। पाकिस्तान में एडीबी की डायरेक्टर एम्मा फैन ने कहा कि पाकिस्तान ने मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों में सुधार के मामले में महत्वपूर्ण प्रगति की है। एडीबी का यह फैसला तब आया है जब दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने एडीबी के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की थी और इस बारे में सोशल मीडिया पर लिखा था कि– मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। पिछले दशक में भारत के तेजी से हुए परिवर्तन ने अनगिनत लोगों को सशक्त बनाया है और हम इस यात्रा में और गति लाने के लिए काम कर रहे हैं। वहीं मसातो कांडा ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साहसिक बताते हुए लिखा था कि हम अगले पांच वर्षों में नगर निगम के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, नए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर बनाने और शहर की सेवाओं के आधुनिकीकरण में थर्ड पार्टी कैपिटल सहित 10 अरब डॉलर का निवेश करेंगे। दो दिन पहले ऐसी खबरें देख कर भ्रम हो सकता था कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हमारी बात नहीं सुनी, कम से कम एशियाई विकास बैंक भारत के साथ खड़ा रहेगा और पाकिस्तान को वित्तीय मदद नहीं देगा। लेकिन यहां फिर भारत की कूटनीति बुरी तरह नाकाम दिखी। श्री मोदी से मिलकर भले ही भारत में निवेश की बातें हुई हों, लेकिन इसके फौरन बाद पाकिस्तान को भी बड़ी मदद देकर एडीबी ने बता दिया कि उसका रवैया भी वही है जो पश्चिमी देशों और संस्थाओं का है। पिछले महीने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी एडीबी अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात कर अपील की थी कि पाकिस्तान की मदद न की जाए, क्योंकि वह आतंकवाद का पोषण करता है। इसके अलावा भारत कोशिश कर रहा है कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स में पाकिस्तान का नाम ग्रे सूची में डलवाया जाए, इसके लिए यूरोपीय देशों को साथ लाने की कोशिश हो रही है।

अब इसमें भारत कामयाब होता है या नहीं, ये कहा नहीं जा सकता। लेकिन पहले आईएमएफ और अब एडीबी के फैसलों ने भारत की कोशिश को झटका तो दे ही दिया है। वहीं पाकिस्तान अब अमेरिका, रूस, चीन तमाम बड़ी शक्तियों का करीबी बनने की कोशिश में लगा है। अमेरिका और चीन तो पहले ही भारत के ऊपर पाकिस्तान को तवज्जो दे सकते हैं, अगर रूस में पाकिस्तान अपने लिए जगह बना लेता है, तब भारत की साख पर जो बट्टा लग सकता है, उसका अंदाज सरकार को कर लेना चाहिए। हालांकि मौजूदा रवैया देखकर लगता नहीं कि सरकार को कूटनीति या विदेश नीति की कोई परवाह है। पाठक जानते हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार बयान दोहरा रहे हैं कि उन्होंने व्यापार की धमकी देकर युद्ध विराम करवाया है। लेकिन अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर सीधे कोई खंडन नहीं किया है। अपना पक्ष रखने के लिए जो प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की यात्रा पर भेजे गए थे, उनके नतीजे भी कुछ खास नजर नहीं आ रहे। क्योंकि इसमें सरकार की मंशा ही साफ नहीं थी कि आखिर वह प्रतिनिधिमंडलों के जरिए क्या हासिल करना चाहती थी। अगर मकसद विदेशों से समर्थन हासिल करना था, तो फिर इन मंडलों के सदस्यों की मुलाकात हरेक देश में नीति निर्माताओं से होनी चाहिए थी, जहां उन्हें आश्वासन मिलता कि वे पाकिस्तान की जमीन से संचालित आतंकी गतिविधियों का विरोध करेंगे, लेकिन एकाध देश छोड़कर अधिकतर देशों में प्रतिनिधिमंडल में गए सदस्यों ने कहीं थिंक टैंक के लोगों से मुलाकात की या फिर पूर्व मंत्री, पूर्व राजनयिक, पूर्व अधिकारी के साथ बैठकें कीं। इसमें भी एक वीडियो सामने आया जब एक प्रतिनिधिमंडल की सदस्या रेखा शर्मा खाने की मेज पर गीत गाते दिखीं और बाकी लोग तालियां बजा रहे थे। इस पर सवाल भी उठे कि एक बड़े आतंकी हमले के बाद वैश्विक समर्थन हासिल करने यह दल गए हैं या जनता के पैसों पर विदेशों में पिकनिक मनाने। इन्हीं रेखा शर्मा ने देश लौटकर एक समाचार चौनल से कहा कि हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि यही थी कि जिन देशों में कांग्रेस कभी पहुंच नहीं पाई और जिन देशों में कांग्रेस का कभी स्वागत नहीं होता था, वो देश अब भारत की लीडरशिप की तरफ नेतृत्व के लिए देख रहे हैं। इस मूर्खतापूर्ण और सिरे से गलत बयान पर हंसा जाए या दुख मनाया जाए कि देश की संसद में ऐसे लोग पहुंच गए हैं, जिन्हें मोदीभक्ति तो खूब आती है, लेकिन राजनैतिक इतिहास का ज्ञान शून्य है। जिस प्रतिनिधिमंडल की सदस्या रेखा शर्मा थीं, वह सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया के दौरे पर गया था। और पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह खुद इनमें से सऊदी अरब, कुवैत और बहरीन की यात्रा कर चुके हैं।

पहली बार हो रहा सेना का निर्लज्ज इस्तेमाल

चुनाव आयोग का चरित्र भी अब पूरी तरह बदल चुका है, लिहाजा वह भी यह सब खामोश रहकर देखता रहता है। मीडिया पूरी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका है, इसलिए वह सेना के इस बेजा इस्तेमाल पर कोई सवाल नहीं उठाता। न्यायपालिका का रवैया भी इस मामले में कमोबेश चुनाव आयोग और मीडिया जैसा ही रहता है। जम्मू–कश्मीर के कारगिल में भारत और पाकिस्तान के बीच 1999 में मई से जुलाई के बीच तीन महीने तक सैन्य संघर्ष चला था, जिसमें भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना को अपनी जमीन से खदेड़ने में कामयाब रही थी। उससे पहले केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार गिर चुकी थी, जिसकी वजह से लोकसभा के मध्यावधि चुनाव होने वाले थे। भारतीय जनता पार्टी के उत्साही कार्यकर्ताओं ने चुनाव के मद्देनजर कारगिल की लड़ाई में भारतीय सेना की कामयाबी को वाजपेयी सरकार की उपलब्धि के तौर पर प्रचारित करने के लिए दिल्ली में कुछ स्थानों पर पोस्टर लगाए थे, जिनमें वाजपेयी के साथ ही भारत के तीनों सेना प्रमुखों को भी दिखाया गया था। भारत के पूर्व थल सेनाध्यक्ष वेद प्रकाश मलिक ने अपनी किताब श्कारगिलश फ्रॉम सरप्राइज टु विक्ट्रीश में खुलासा किया है कि उन्हें जब ऐसे पोस्टरों की जानकारी मिली तो उन्होंने इस बारे में प्रधानमंत्री वाजपेयी से शिकायत की और कहा कि यह नहीं होना चाहिए। वाजपेयी ने उन्हें आश्वासन दिया कि ऐसा नहीं होगा और फिर वाकई ऐसा नहीं हुआ।

इससे पहले भी पाकिस्तान को भारतीय सेना 1965 और 1971 के युद्ध में धूल चटा चुकी थी। यही नहीं, बहुत कम लोगों को जानकारी है कि भारत का चीन के साथ 1962 के बाद 1967 में एक सीमित युद्ध भी सिक्किम के सीमांत में हुआ था, जिसमें भारतीय सेना ने अपने पराक्रम से चीन को उसकी सीमा में धकेलने में कामयाबी हासिल की थी। तब भी सेना की इस कामयाबी का तत्कालीन सरकारों ने चुनावों में कभी भी राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया। इसके अलावा पिछले 27 वर्षों के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ 11 मर्तबा सर्जिकल स्ट्राइक की है, जिनमें से 9 सर्जिकल स्ट्राइक 2014 के पहले तक और दो बार 2014 के बाद हुई। 2014 के पहले तक किसी भी सरकार ने भारतीय सेना के पराक्रम का चुनावी इस्तेमाल नहीं किया।

इधर पिछले एक दशक से सरकार ने सेना की हर कार्रवाई को अपने राजनीतिक कार्यक्रम का हिस्सा और सेना को प्रकारांतर से सत्तारूढ़ दल का एक मोर्चा संगठन जैसा मान लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी हर चुनाव में सेना के नाम का खुलकर इस्तेमाल करती है, उसके किसी भी कारनामे को अपनी उपलब्धि बता कर वोट मांगती है। चुनावी रैलियों के मंच पर लगे बैनर–पोस्टरों में प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ सैन्य प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता है। यही नहीं, कभी–कभी तो सरकार की ओर से सेना के अफसरों को भी अपने प्रवक्ता की तरह काम करने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। चूंकि चुनाव आयोग का चरित्र भी अब पूरी तरह बदल चुका है, लिहाजा वह भी यह सब खामोश रहकर देखता रहता है। मीडिया पूरी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका है, इसलिए वह सेना के इस बेजा इस्तेमाल पर कोई सवाल नहीं उठाता।

न्यायपालिका का रवैया भी इस मामले में कमोबेश चुनाव आयोग और मीडिया जैसा ही रहता है। कुल मिलाकर कोई भी सक्षम संवैधानिक संस्था सेना के इस तरह राजनीतिकरण किए जाने की कोशिशों के खतरों को समझते हुए उन कोशिशों पर अंकुश लगाने की अपनी भूमिका निभाती नहीं दिखती। इस समय भी यही सब कुछ हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं कि कश्मीर के पहलगाम में हुए पिछले दिनों हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के संरक्षण में आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना ने एक बार फिर अपने पराक्रम का सटीक प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान में उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादियों के कई ठिकानों को नष्ट करने किया है। लेकिन लक्ष्य पूरा होने से पहले ही भारतीय सेना की कार्रवाई अचानक क्यों और किसके दबाव में रोक दी गई, इस सवाल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के पास कोई जवाब नहीं है।

जान बख्शने के लिए खूब गिड़गिड़ाई..

पति ने गला काटकर मार डाला, कातिल ने सुनाई कत्ल की फुल स्टोरी

गोरखपुर। गोरखपुर में एक युवक ने अपनी पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। महिला की मां ने दामाद के खिलाफ केस दर्ज कराया है। साथ ही सख्त सजा दिलाने की मांग की है। गोरखपुर के सहजनवा इलाके में महिला की हत्या से सनसनी फैल गई है। पता चला है कि पति अंगद शर्मा का पत्नी से उसकी नौकरी करने को लेकर विवाद हुआ। अचानक पर ऐसा पागलपन सवार हुआ कि उसने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। पत्नी जान बख्शने के लिए गिड़गिड़ाती रही, लेकिन उसने बेरहमी से गला रेतकर उसे मार डाला। शोर सुनकर जबतक पड़ोसी वहां पहुंचे, महिला कमरे के फर्श पर मरी पड़ी थी। ये बातें पड़ोसियों ने बताईं, उन्हें समय पर नहीं पहुंच पाने का मलाल था। पुलिस के मुताबिक, दंपती के कमरे के बगल में रहने वाले युवक ने बताया कि उसकी रात की ड्यूटी थी, वरना वह विवाद छुड़ाकर महिला की जान बचा लेता। उसने बताया कि आए दिन झगड़ा होता था तो शांत करवाता था। इसी तरह महिला की चीख सुनने वाले लोगों ने भी घटनाक्रम बताया।

लव मैरिज के लिए अड़ गई थी युवती

महिला की मां ने केस दर्ज कराते हुए बताया कि कक्षा आठ में पढ़ने के दौरान ही आरोपी बेटी के आगे–पीछे घूमता था। बहला फुसलाकर उसे अपने जाल में फंसा लिया। जबकि बेटी से कहा कि युवक की हरकत ठीक नहीं है, आगे चलकर परेशानी झेलनी पड़ेगी। लेकिन वह शादी करने के लिए अड़ गई थी।

तमिलनाडु से फोन कर करता था परेशान

वर्ष 2023 के अगस्त माह में इसको लेकर पंचायत हुई थी। इसके बाद मंदिर में दोनों की शादी करानी पड़ी। पति उसे तमिलनाडु लेकर गया, कुछ दिन बाद वहां झगड़ा–लड़ाई करने लगा। आठ माह पहले बेटी सहजनवां आकर अपनी बहन के पास रहने लगी। इसके बाद तमिलनाडु से फोन कर वह परेशान करता

था। दो माह पहले वह सहजनवां में आकर कमरा लिया, जहां पर बेटी के साथ रहने लगा। बेटी दो माह की गर्भवती थी, सोचा पति सेवा करेगा। लेकिन यहां आकर वह नौकरी छुड़वाना चाहता था। इसको लेकर लड़ाई–झगड़ा करने लगा। बेटी बार–बार शिकायत करती थी।

महिला की मां ने बताया कि हत्यारोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। पिछले वर्ष उसने थाने में शिकायत की थी। फिर पुलिस ने समझा बुझाकर मामला खत्म करवाया था। इधर, पोस्टमार्टम के बाद महिला के शव का सहजनवां के कालेसर स्थित मुक्तिधाम पर देर शाम अंतिम संस्कार किया गया।

आरोपी पति बोला क्रोध पर नियंत्रण नहीं कर पाया

सहजनवां थाने में पुलिस हिरासत में पति ने बताया कि वह क्रोध पर नियंत्रण नहीं कर पाया। सुबह छह बजे काम पर जाने के लिए वह चार बजे उठ जाती थी। जब वह उठी तो उससे बहस होने पर तेज–तेज बोलने लगी। मोबाइल देखने के लिए मांगा तो उसने इन्कार कर दिया। इसके बाद चाकू से हमला किया तो वह संघर्ष करने लगी। तब पागलपन सवार हो गया। इसके बाद ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसकी गर्दन पीछे से रेत दी। अगर कोई बीच बचाव में आया होता तो पत्नी की जान बच जाती। मैं उससे बहुत प्रेम करता था। उसे खोना नहीं चाहता था, इसलिए तमिलनाडु से काम छोड़कर लौट आया था।

कर्नाटक रहते हैं आरोपी के पिता

सहजनवां इलाके के एक गांव में रहने वाले आरोपी के पिता कर्नाटक में पेंट पालिश का काम करते हैं। गांव पर उसकी बहन और मां रहती हैं। हत्या की सूचना पर आरोपी की मां और बहन भी रोने लगीं। बेटे की करतूत से वे भी शर्मिंदा थीं। आरोपी की मां ने कहा कि हमलोग गांव में रहते हैं। सहजनवां स्थित किराए के घर में क्या हुआ, इसकी जानकारी नहीं है।

पति–पत्नी के रिश्तों में हिंसा और हत्या की घटनाएं केवल व्यक्तिगत नहीं हैं। इनकी जड़ें सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों में निहित हैं। बढ़ती व्यक्तिवादिता और समाजीकरण की कमी के कारण सहनशीलता और सामाजिक दबाव कमजोर हुए हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया, विशेषकर मोबाइल फोन लोगों को ऐसी आभासी दुनिया की ओर ले जा रहे हैं। इसकी परिणति हिंसा और हत्या के रूप में सामने आ रही है।

– डा. मनीष पांडेय, समाजशास्त्री, डीडीयू

गोरखपुर के इस फेमस रेस्टोरेंट का पनीर निकला खराब

अदालत रेस्टोरेंट का पनीर खाने योग्य नहीं चौरी चौरा एक्सप्रेस का खोवा असुरक्षित घोषित खाद्य विभाग ने शुरू की जांच

संवाददाता, गोरखपुर। मोहद्दीपुर में आरकेबीके के पास खुले अदालत रेस्टोरेंट में लिया गया पनीर का नमूना फेल हो गया है। यह खाने योग्य नहीं मिला है। इस पनीर की आपूर्ति का शक पिपराइच के मो. खालिद के कारखाने से होने का शक है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम जांच में जुट गई है। मो. खालिद और मिलावटी पनीर तैयार करने वाले हरियाणा के दो कारीगरों को पिछले दिनों जेल भेजा जा चुका है। इसके साथ ही चौरी चौरा एक्सप्रेस से जब्त किया गया खोवा भी असुरक्षित मिला है। गोलघर स्थित खोवा मंडी के कारोबारी सागर ने कुछ मात्रा में खोवा को अपना बताया था। इसके बाद नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया था। अब रिपोर्ट असुरक्षित मिली है।

सहायक आयुक्त खाद्य डा. सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि पांच मार्च को मोहद्दीपुर में आरकेबीके के सामने खुले अदालत रेस्टोरेंट की जांच की गई थी। यहां मीट में लाल रंग डाला जाता मिला। साथ ही एक्सपायर मसाला मिलाया जा रहा था। टीम को यहां खराब पनीर मिला था।

फर्जी दस्तावेजों से नेपाली नागरिक बना भारतीय

नेपाली नागरिक पर फर्जी नागरिकता का आरोप जाली नोट और नशे की तस्करी में शामिल खुफिया एजेंसी कर रही है मामले की जांच

गोरखपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें नेपाल के रहने वाले एक व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत की नागरिकता हासिल कर ली है। युवक बहादुर के खिलाफ कुशीनगर जिले के एक व्यक्ति ने केंद्रीय गृह मंत्रालय में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि वह न केवल जाली नोट और नशीले पदार्थों की तस्करी करता है, बल्कि भारत सरकार की योजनाओं का लाभ भी उठा रहा है। मामला संज्ञान में आने के बाद खुफिया एजेंसी के साथ ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार नेपाल निवासी बहादुर ने कुशीनगर जिले में रहने वाले एक व्यक्ति के सहयोग से दस्तावेजों का दुरुपयोग करते हुए आधार कार्ड बनवा लिया। इसके जरिये उसने आय और निवास प्रमाणपत्र हासिल कर खुद को भारतीय नागरिक घोषित करवा लिया। आधार कार्ड मिलने के बाद वह राशन कार्ड, वोटर आइडी और अन्य सरकारी दस्तावेज भी बनवा चुका है। शिकायतकर्ता के अनुसार बहादुर सीमाई इलाकों में जाली नोट और नशीले पदार्थों की तस्करी में भी संलिप्त है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पुलिस मुख्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच शुरू कराई है। खुफिया एजेंसी यह भी पता लगा रही हैं कि कहीं इस फर्जीवाड़े के पीछे किसी बड़ी साजिश या नेटवर्क का हाथ तो नहीं।

सिद्धार्थनगर के एक परिवार भी दोहरी नागरिकता का आरोप

सिद्धार्थनगर जिले में रहने वाले एक परिवार भी नेपाल की नागरिकता होने का आरोप लगा गृह मंत्रालय में शिकायत की गई थी जिसकी जांच चल रही है। शिकायकर्ता का कहना है कि दोनों देश में यह परिवार सरकारी योजना का लाभ लेता है। साथ ही संदिग्ध गतिविधि में भी लिप्त है।

गोरखपुर में बिजली चोरी का मामला आया सामना

संवाददाता, गोरखपुर। बक्शीपुर उपकेंद्र से जुड़े कोतवाली क्षेत्र में बिजली निगम ने स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान चलाया। यहां कई लोगों ने स्मार्ट मीटर लगाने से मना कर दिया था। इसके बाद विजिलेंस की टीम के साथ अभियान चलाया गया। जिन लोगों की आपत्ति ज्यादा थी वहां चेक मीटर के रूप में पहले से लगा मीटर छोड़ दिया गया है।

15 दिन बाद दोनों मीटरों की रीडिंग एक साथ दर्ज की जाएगी। इसे उपभोक्ता को दिखाया जाएगा। अभियंताओं का दावा है कि अब तक स्मार्ट मीटर के साथ लगाए गए चेक मीटर की रीडिंग में कोई अंतर नहीं आया है। अधीक्षण अभियंता शहर लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सहायक अभियंता मीटर रंजना कनौजिया, जेई रोशन कुमार, संदीप कुमार, बृजेश त्रिपाठी के साथ अभियान चलाया गया।

बक्शीपुर में बंद रहीं दुकानें

अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा के सामने व्यापारियों ने अपनी बात रखी

संवाद न्यूज एजेंसी, गोरखपुर ।

नगर निगम का प्रवर्तन दल ने मंगलवार को बंदी के दिन बक्शीपुर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। आरोप है कि तिवारी ट्रेडर्स के वैभव तिवारी बंद दुकान में तोड़फोड़ करने लगे। रोकने पर लोग वैभव के साथ अभद्रता और मारपीट की गई। इस सूचना के बाद व्यापारी आक्रोशित हो गए। बक्शीपुर में बिना कोई सूचना दिए मंगलवार को बंदी के दिन अतिक्रमण हटवाने पहुंची नगर निगम की प्रवर्तन दल के साथ व्यापारियों की कहासुनी और हाथापाई हो गई। व्यापारी की पिटाई के बाद अन्य व्यापारी आक्रोशित हो गए और प्रदर्शन किया। बुधवार की सुबह एक बार फिर व्यापारियों ने दुकानें बंद रखते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद पैदल मार्च कर नगर निगम पहुंचे और अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र को ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, नगर निगम का प्रवर्तन दल ने मंगलवार को बंदी के दिन बक्शीपुर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इसकी सूचना जब दुकानदारों व व्यापारियों को हुई तो वह मौके पर पहुंच गए। अभियान को गलत बताया। इसके बाद भी प्रवर्तन दल नहीं माना और आरोप है कि तिवारी ट्रेडर्स के वैभव तिवारी बंद दुकान में तोड़फोड़ करने लगे। रोकने पर लोग वैभव के साथ अभद्रता और मारपीट की गई। इस सूचना के बाद व्यापारी आक्रोशित हो गए। इसके बाद समस्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष नितिन कुमार जायसवाल के नेतृत्व ने कोतवाली पहुंच कर प्रवर्तन दल के अधिकारियों के खिलाफ तहरीर दी और पीड़ित का मेडिकल करवाया। बुधवार सुबह नाराज व्यापारी सुबह बक्शीपुर में एकत्रित हुए और बंदी का आह्वान किया। जिसका समस्त व्यापारिक संगठनों ने समर्थन किया। सभी संगठनों के पदाधिकारी पैदल मार्च करते हुए नगर निगम नगर आयुक्त को ज्ञापन देने पहुंचे। जहां उनकी अनुपस्थिति में अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा को ज्ञापन दिया और प्रवर्तन दल के अधिकारी अशोक सिंह और टीम को निष्कासित करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों ने अध्यक्ष नितिन जायसवाल, समन्वयक अनूप किशोर अग्रवाल, पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष रमेश चंद गुप्ता, किराना कमेटी के महामंत्री गोपाल जायसवाल, दवा विक्रेता समिति के अध्यक्ष योगेंद्र दुबे, महामंत्री आलोक चौरसिया, गोरखपुर डिस्पोजेबल एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन जालान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

लव मैरिज के बाद प्रेग्नेंट पत्नी का गला काटा

अफेयर के शक में की हत्या, गोरखपुर में थानेदार से बोला– लाश जाकर उठा लो

गोरखपुर। पति ने 2 महीने की प्रेग्नेंट पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। एक घंटे तक लाश के पास बैठा रहा, फिर थाने सरेंडर करने पहुंच गया। थानेदार से बोला– मैंने अपनी पत्नी को मार डाला, लाश घर पर पड़ी है। जाकर उठा लो। यह सुनते ही पुलिसकर्मी हैरान रह गए। आनन–फानन में पुलिस उसे लेकर घर पहुंची। वहां देखा तो महिला की लाश बेड पर खून से लथपथ पड़ी थी। जांच–पड़ताल के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बेटी की मौत की खबर सुनकर उसकी मां घर पहुंचीं। लाश को देखकर वह बेहोश हो गईं। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी ने दो साल पहले लव–मैरिज की थी। अफेयर के शक में उसने बुधवार सुबह वारदात को अंजाम दिया। पूरा मामला सहजनवा के बाहिलपार गांव का है।

आरोपी अंगद शर्मा सहजनवा का रहने वाला है। वह तमिलनाडु में बढ़ई का काम करता था। उसने दो साल पहले नेहा से लव–मैरिज की थी। नेहा का घर अंगद के घर के सामने था। दोनों की जाति अलग–अलग होने के कारण परिवार वाले इस शादी के खिलाफ थे। इसलिए दोनों ने मंदिर में जाकर शादी की थी।शादी के बाद अंगद पत्नी नेहा को लेकर तमिलनाडु चला गया था। कुछ समय बाद वह उसे वापस गांव ले

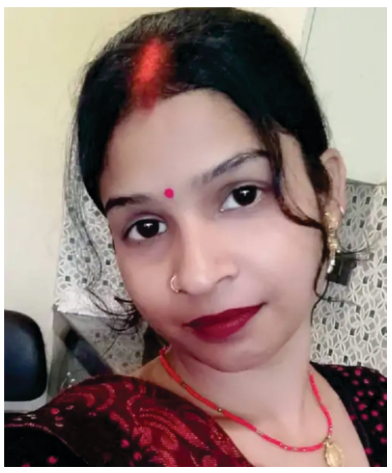

आया। नेहा को सहजनवा में किराए पर कमरा दिलवाया गया, लेकिन बाद में वह गीडा थाना क्षेत्र में रहने वाली अपनी बड़ी बहन के घर चली गई। वहां वह एक वाहन एजेंसी में काम करने लगी।

पत्नी को फोन पर बात करते देखा तो शुरू हुआ झगड़ा

दो महीने पहले अंगद तमिलनाडु से वापस लौटा। उने नेहा को किसी से फोन पर बात करते हुए देख लिया। इस पर उसने पूछा –किससे बात कर रही थी? नेहा ने जवाब दिया– कंपनी के प्रोजेक्ट के बारे में बात कर रही थी। इस बात को लेकर दोनों के बीच रोज झगड़े होने लगे।

हत्या के बाद एक घंटे तक लाश के पास बैठा रहा

3 जून की रात दोनों के बीच फिर लड़ाई हुई। इसके बाद दोनों सो गए। बुधवार सुबह अंगद ने नेहा के सिर पर वार किया और फिर चाकू से गला रेत दिया। वारदात के बाद वह करीब एक घंटे तक लाश के पास बैठा रहा। इसके बाद वह खुद थाने पहुंच गया और हत्या की जानकारी दी। नेहा की मां सियापति ने कहा–अंगद, सुग्रीव, त्रिलोकी, विशाल, बबलू, डबलू, राजू और हनुमान ने मेरी बेटी को मार डाला। पुलिस से जानकारी मिली तो मैं यहां पहुंची। उन्होंने कहा–आरोपियों को फांसी की सजा मिले। हम गरीब लोग हैं। ज्यादा जमीन और घर भी नहीं है।

> प्राण प्रतिष्ठा तो हो चुकी है. अब क्या ? इसका मतलब है कि पहली प्रतिष्ठा गलत थी. अब शिखर बनने के बाद प्रतिष्ठा हो रही है. आपने जो कुछ भी किया वो गलत था, फिर से वहां जो शिखर प्रतिष्ठा आदि कार्यक्रम होंगे वो इस बात को प्रमाणित करेंगे कि पहले जो प्रतिष्ठा हुई वो धर्म - शास्त्र के विरुद्ध थी, हिंदू धर्म के विरुद्ध थी.

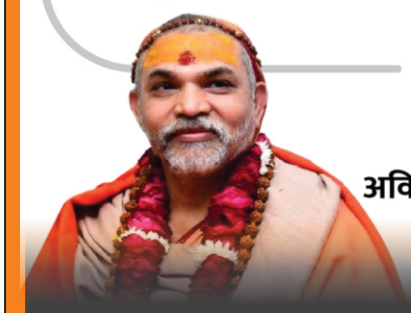

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती
शंकराचार्य

अयोध्या राम जन्मभूमि में दूसरी प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हो चुका है. यह ऐतिहासिक कार्यक्रम 3 जून से 5 जून 2025 तक चलने वाला है इस मुद्दे पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्राण प्रतिष्ठा तो हो चुकी है. अब क्या ? इसका मतलब है कि पहली प्रतिष्ठा गलत थी. अब शिखर बनने के बाद प्रतिष्ठा हो रही है. आपने जो कुछ भी किया वो गलत था, फिर से वहां जो शिखर प्रतिष्ठा आदि कार्यक्रम होंगे वो इस बात को प्रमाणित करेंगे कि पहले जो प्रतिष्ठा हुई वो धर्म – शास्त्र के विरुद्ध थी, हिंदू धर्म के विरुद्ध थी।

अमेरिका के अरबपति एलन मस्क के पिता एरोल बेटी के साथ पहुंचे अयोध्या

दुनिया के सबसे बड़े रईसों में शुमार अमेरिकी अरबपति, टेस्ला और एक्स के सीईओ एलन मस्क के पिता एरोल मस्क अपनी बेटी के साथ बुधवार दोपहर अयोध्या पहुंचे। अपने प्राइवेट विमान से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे एरोल मस्क का हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास समेत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने स्वागत किया।

थार में रंगदार–गोरखपुर में मनबढ़ गाड़ी से आए...

गोरखपुर। हाटा बाजार स्थित दुकान से पिटाई के बाद फर्नीचर व्यवसायी शिवम पाठक को आरोपी करीब एक किलोमीटर दूर मॉडल शाप पर ले गए। मॉडल शॉप के प्रथम तल पर बंधक बनाकर उसे पीटकर लहुलूहान कर दिया। घायल शिवम के अनुसार, पुलिस आई तो उसे प्रथम तल के पिछले हिस्से में छुपाया गया था। डर था कि उसकी हत्या हो सकती है इसलिए शरीर से बह रह खून से दीवार पर कई जगह धब्बे बना दिए। इलाके में रंगदारी के लिए पूर्व प्रधान के फर्नीचर व्यवसायी बेटे शिवम की बेरहमी से पिटाई की गई। फिर अपहरण कर मॉडल शाप के पास कमरे में बंद करके पीटा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने व्यवसायी के खून के धब्बे देखकर प्रथम तल स्थित कमरे में पहुंचकर उसे मुक्त कराया और तीन आरोपियों को पकड़ लिया।

पीड़ित के पिता मनोज पाठक की तहरीर पर आरोपियों पर हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, चिमटा गांव के पूर्व प्रधान मनोज पाठक की हाटा बाजार चौराहे पर फर्नीचर की दुकान है। उन्होंने तहरीर देकर बताया कि सोमवार रात में उनका बेटा शिवम पाठक दुकान पर बैठा था। आरोप है कि रात करीब 12रू15 बजे छपरा गांव के चंद्रकेश यादव, मोनू यादव और यश यादव थार गाड़ी से वहां पहुंचे। आरोप है कि तीनों असलहों और लाठी–डंडों के साथ थे। उन्होंने दुकान पर पहुंचते ही रंगदारी की मांग शुरू कर दी। शिवम ने विरोध किया तो तीनों ने बेरहमी से पिटाई की। आरोप है कि शिवम को जबरन गाड़ी में बैठाकर उठा ले गए और लौहरपुर गांव स्थित कृष्णा मॉडल शॉप के पास एक कमरे में बंद कर दोबारा पीटा। इसी बीच किसी की सूचना पर गगहा थाना पुलिस पहुंच गई। घटना के करीब दो घंटे बाद रात में ही आरोपियों को पकड़कर शिवम को उनके चंगुल से मुक्त करा लिया।

जान बचाने के लिए दीवारों पर खून के धब्बे लगाए ताकि पुलिस पहुंच जाए

हाटा बाजार स्थित दुकान से पिटाई के बाद फर्नीचर व्यवसायी शिवम पाठक को आरोपी करीब एक किलोमीटर दूर मॉडल शाप पर ले गए। मॉडल शॉप के प्रथम तल पर बंधक बनाकर उसे पीटकर लहुलूहान कर दिया। घायल शिवम के अनुसार, पुलिस आई तो उसे प्रथम तल के पिछले हिस्से में छुपाया गया था। डर था कि उसकी हत्या हो सकती है इसलिए शरीर से बह रह खून से दीवार पर कई जगह धब्बे बना दिए।

ताकि खून देखकर पुलिस आसानी से खोज सके। घटना की सूचना पर रात में जब पुलिस पहुंची तो मॉडल शॉप के बाहर गेट पर ताला लटका हुआ था। मॉडल शॉप के पीछे पुलिस ने अपनी गाड़ी लगाई। इसके बाद प्रथम तल पर पहुंची। वहां जाने पर खून के निशान दिखे।

इसी दौरान शिवम बचाओ–बचाओ का शोर मचाने लगे। इसे सुनकर पुलिस उसके पास पहुंची और उसे मुक्त कराया। इसी दौरान तीनों आरोपी दूसरे कमरे में छिप कर बैठे थे, जिनको पुलिस ने दबोच लिया। पीड़ित युवक शिवम पाठक गगहा थाना क्षेत्र के चिमचा गांव के निवासी हैं।

उन्होंने हाटा बाजार में फर्नीचर की दुकान खोल रखी है। यहीं पर कुछ वर्षों से दुकान चला रहे हैं। दुकान के उपर कमरा बनवाकर परिवार के साथ रहता है। वहीं मुख्य आरोपी चंद्रकेश यादव की हाटा बाजार ट्यूवेल रोड पर कृष्णा मॉडल शॉप है। चंद्रकेश दो माह पहले बैंकॉक से कमाकर आया है।

अभी हाल ही में उसने एक थार खरीदी है। मनबढ़ युवकों को बैठाकर वह रोजाना घूमता है। इलाके में यह भी चर्चा है कि आरोपी ने जगह–जगह सूद पर रुपये भी बांटे हैं। जिसे वसूलने के लिए अपने साथ मनबढ़ों को रखता है। सीओ बांसगांव दरवेश कुमार ने बताया कि तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। पीड़ित युवक शिवम पाठक से पूछताछ की गई है। पीड़ित के पिता की तहरीर के आधार पर हत्या की कोशिश समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

कुशीनगर में साइबर अपराध–बैंक के खातों को बेचकर करते थे ठगी

संवाद न्यूज एजेंसी, कुशीनगर। इनके पास से पुलिस ने पांच करोड़ की संपत्ति वाहन,कैश बरामद किया। करीब 20 लाख रुपये से अधिक का आभूषण (सोने, चादी एवं हीरे), करोड़ों का जमीन के कागजात, बिटक्वाइन, क्रिप्टोकरेंसी दुकान के कागज, दो चार पहिया कार, दो बाइक, 13 मोबाइल फोन, भारी मात्रा में सिम कार्ड (नेपाली,भारतीय), कूटरचित दस्तावेज बरामद किया। संगठित साइबर गैंग के चार ठगों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। ठगी से अर्जित करीब पांच करोड़ की संपत्ति, वाहन, सोना पुलिस ने बरामद किया। आरोपियों के पास नेपाली, भारतीय कूटरचित दस्तावेज पुलिस ने बरामद किया है। आरोपियों को कोर्ट में पुलिस ने पेश किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। यह गिरोह जिले में काफी दिनों से सक्रिय है।

साइबर ठगों के गैंग से मिलकर यह बैंक खाता बेचकर ठगी करते थे। बैंक खाता बेचकर ठगी का रकम मंगाने वाला गिरोह काफी दिनों से जिले में सक्रिय था। एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि भोले भाले लोगों का बैंक खाता जालसाजों ने बेचकर साइबर अपराध से अर्जित रकम को मंगाते थे। इस पैसे का आपस में हिस्सेदारी बांट लेते हैं। इस गिरोह में दो सगे भाई और इनके भतीजे समेत चार लोग शामिल हैं।

इनके पास से पुलिस ने पांच करोड़ की संपत्ति वाहन,कैश बरामद किया। करीब 20 लाख रुपये से अधिक का आभूषण (सोने, चादी एवं हीरे), करोड़ों का जमीन के कागजात, बिटक्वाइन, क्रिप्टोकरेंसी दुकान के कागज, दो चार पहिया कार, दो बाइक, 13 मोबाइल फोन, भारी मात्रा में सिम कार्ड (नेपाली,भारतीय), कूटरचित दस्तावेज बरामद किया। पुलिस ने ठगों की पहचान रंजीत उर्फ अविनाश यादव निवासी तुर्कहा थाना खड्डा, विवेक यादव ग्राम तुर्कहा थाना खड्डा, अमित प्रसाद निवासी मथौली बाजार थाना कप्तानगंज, विनोद यादव निवासी तुर्कहा थाना खड्डा के रूप में किया। गंभीर धाराओं में ठगों के खिलाफ खड्डा पुलिस ने केस दर्ज किया है। एसपी ने टीम को 25 हजार का इनाम दिया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया तरीका :पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि एक संगठित गिरोह है। इस संगठित गिरोह अपने सदस्यों के साथ मिलकर जनता के लोगों को लालच देकर उनके बैंक खाते आनलाइन व मैनुअल तरीके से खुलवाकर विभिन्न राज्यों एवं देशों में बैठे शातिर साइब ठगों को उनके खातों को बेचकर काफी धन अर्जित करते है।

यह धन बैंक अकाउंट एवं बिटक्वाइन, क्रिप्टोकरेंसी में प्राप्त करते हैं। फर्जी सिम कार्ड की सहायता से उनके आनलाइन अकाउंटों को अपने कमांड में ले लेते हैं और साइबर फ्राड कर उससे अर्जित धनों का आनलाइन निर्गतीकरण कर अन्य खातों में रुपये का स्थानान्तरण कर देते हैं। गैंग में अपने प्रतिशत के अनुसार अर्जित अवैध धन का बंटवारा कर देते है। तथा जनता के लोगो को छल व कपट से उनके अंगूठे का कूटरचित फिंगर, डोंगल का क्लोन उनकी बिना जानकारी के इस्तेमाल कर उक्त खातों में अवैध धन का ट्रान्जेक्शन करते हैं।

इसके अतिरिक्त टेलीग्राम ऐप में आईडी लागिन कर ऐप के हजारों ग्रुप में जुडकर कार्पोरेट अकाउंट की रिकवेस्ट चाईनीज गेमिंग कम्पनियो में जुआ खेलाने व मोटा मुनाफा कमाने का लालच देते हुए खाताधारकों के खातों को उन कम्पनियों को बेच देता है। भारत वर्ष के भिन्न भिन्न प्रदेशों से जुडे जनता के लोग टेलीग्राम ऐप के माध्यम से उक्त संगठित गिरोह के छल व कपट में फंसकर चाईनीज गेम कम्पनियों में मौजूद भिन्न भिन्न जुआ गेम कैटेगरी में मोटा पैसा लगा देते है। औसतन बेचे हुए एक खाते का चार दिन में करीब दो करोड रूपये का लाभ होता है। इसका छह प्रतिशत रुपये अमूमन 12 लाख का वितरण इनकी ओर से फर्जीवाड़े तरीके से किया जाता है। इस तरीके से इस गैंग ने विगत कुछ वर्षों में करोड़ों रुपये साइबर अपराध के माध्यम से प्राप्त किये है और इस अवैध धन से काफी सम्पत्ति अर्जित किया है।

जानकी विहार कालोनी में हास्टल के युवकों का उपद्रव

लखनऊ। जानकीपुरम के जानकी विहार कॉलोनी में हॉस्टल के युवकों ने जमकर उपद्रव किया विरोध करने पर पथराव किया। जिसमें कई लोग घायल हो गए।

लखनऊ के जानकीपुरम इलाके के जानकी विहार कॉलोनी में बीती मंगलवार की रात लखनऊ बॉयज हॉस्टल में रहने वाले करीब 50 लड़कों ने कॉलोनी में जमकर उत्पात मचाया। असलहा, डंडा, बांका लेकर कॉलोनी में खड़ी तीन गाड़ियों का शीशा तोड़ दिया।

विरोध करने पर पथराव किया जिसमें प्रदीप श्रीवास्तव के पैर में चोट लग गई। अंबुज मिश्रा का हाथ फ्रैक्चर हो गया। जबकि आदर्श उपाध्याय का सर फट गया, उन्हें चार टांके लगे हैं। अभिषेक के पैर में चोट आई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से एक युवक को पकड़ लिया है। जानकी विकास महासमिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि हॉस्टल को बंद कराने के लिए पांच बार पहले भी थाने में शिकायत की गई है, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अतिक्रमण हटाने गई टीम, व्यापारी का आरोप– प्रवर्तन दल ने की मारपीट

गोरखपुर। व्यापारियों का आरोप है कि प्रवर्तन टीम ने सख्ती की और शेड और पक्के स्लैब को हटाना शुरू कर दिया। दुकानदार ने आरोप लगाया कि निगम की टीम ने उससे धक्का–मुक्की की। इसके बाद दोनों में काफी हाथापाई भी हो गई। आसपास के दुकानदारों से बीच–बचाव कर दुकानदार को वहां से हटाया। वहीं, इसके बाद प्रवर्तन टीम वहां से लौट गई। घटना से स्थानीय व्यापारियों में काफी रोष है। बक्शीपुर में मंगलवार को अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम प्रवर्तन दल और एक दुकानदार में मारपीट हो गई। काफी देर तक सड़क पर हंगामा हुआ। इससे आवागमन भी प्रभावित रहा। इसके बाद दोनों पक्षों ने कोतवाली थाने में तहरीर दी है। घटना से व्यापारियों में काफी नाराजगी है। अभियान के दौरान टीम ने दो जेनरेटर एक ठेला होर्डिंग बोर्ड को भी जब्त किया।

साथ ही 25,400 का चालान भी काटा। डीएम के निर्देश पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम और यातायात पुलिस पुलिस ने मंगलवार को अग्रसेन तिराहे से बक्शीपुर चौराहे तक अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया। जुबली तिराहा से थोड़ा आगे एक दुकान के आगे नाले पर पक्का स्लैब ढालने के अलावा दुकान के आगे निकाले गए टिनशेड को अतिक्रमण हटाने वाली टीम ने हटाना शुरू कर दिया। दुकानदार ने इसका विरोध किया गया।

इसके बाद प्रवर्तन टीम ने सख्ती की और शेड और पक्के स्लैब को हटाना शुरू कर दिया। दुकानदार ने आरोप लगाया कि निगम की टीम ने उससे धक्का–मुक्की की। इसके बाद दोनों में काफी हाथापाई भी हो गई। आसपास के दुकानदारों से बीच–बचाव कर दुकानदार को वहां से हटाया। वहीं, इसके बाद प्रवर्तन टीम वहां से लौट गई। घटना से स्थानीय व्यापारियों में काफी रोष है। चर्चा है कि व्यापारी बुधवार को बाजार बंद कर सकते हैं। व्यापारी वैभव तिवारी ने कोतवाली थाने में तहरीर देकर प्रवर्तन दल के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आरोप लगाया कि जुर्माना भरने की बात कहने के बाद भी उन्होंने बदसलूकी की। अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह ने कहा कि किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को नहीं छोड़ा जाएगा। बक्शीपुर में दुकानदार के खिलाफ अतिक्रमण टीम के साथ गाली–गलौज करने के साथ मारपीट की गई है।

पत्नी की गला काटकर हत्या

थाने पहुंचकर बोला कातिल पति– मैंने उसे मार डाला, मुझे गिरफ्तार कर लो

गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के बाहीलपार निवासी अंगद शर्मा का गांव की युवती नेहा से प्रेम प्रसंग था। दोनों में प्यार परवान चढ़ने के बाद करीब दो वर्ष पूर्व रजिस्टर्ड शादी कर ली। करीब दो महीना पहले अंगद ने सहजनवां नगर पंचायत के वार्ड नं–9 पिपरा में बुद्धिराम के मकान में प्रथम तल पर किराए का कमरा लिया और रहने लगे। नगर पंचायत के वार्ड नं– 9 पिपरा में सोते समय पति ने अपनी पत्नी की गर्दन काट कर निर्मम हत्या कर दी। शोर सुन आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपित फरार हो गया। मृतिका की पहचान बाहीलपार निवासी 25 वर्षीय नेहा पत्नी अंगद शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस मौके पर जांच पड़ताल कर रही है।

सहजनवां थाना क्षेत्र के बाहीलपार निवासी अंगद शर्मा का गांव की युवती नेहा से प्रेम प्रसंग चलता था। दोनों में प्यार परवान चढ़ने के बाद करीब दो वर्ष पूर्व रजिस्टर्ड शादी कर ली। करीब दो महीना पहले अंगद ने सहजनवां नगर पंचायत के वार्ड नं–9 पिपरा में बुद्धिराम के मकान में प्रथम तल पर किराए का कमरा लिया और रहने लगे। कुछ दिन बाद पति अंगद शर्मा पेंट पालिश करने के लिए बाहर चला गया और नेहा किराए के कमरे में अकेली रहती थी। करीब बीस दिन पहले अंगद शर्मा सहजनवां आ गया और पति पत्नी साथ रहने लगे। बुधवार की सुबह करीब छह बजे के करीब आसपास के लोगों ने नेहा के चीखने की आवाज सुनी तो कमरे पर पहुंचे। नेहा का गर्दन कटा हुआ था काफी खून पसरा था। जबतक लोग कुछ समझ पाते नेहा ने दम तोड़ दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। एसओ महेश चौबे ने बताया कि अभी जांच की जा रही है। मृतिका के स्वजनों को बुलाया गया है।

यमुना के गहरे पानी में फंस गईं छह किशोरियां

आगरा। यमुना में मौत के गड्ढों ने तीन सगी बहनों सहित छह किशोरियों की जान ले ली। ये वो गड्ढें हैं, जो खनन के दौरान हुए। ये गड्ढे पहले भी कई की जान ले चुके हैं। आगरा में थाना सिकंदरा क्षेत्र के गांव नगला नाथू में यमुना में डूबकर तीन सगी बहनों सहित छह किशोरियों की मौत हो गई। तीन सगी बहनें अपनी हमउम्र मौसी, मौसेरी बहन और चचेरे भाई–बहनों के साथ नहाने गई थीं। इस हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। ये किशोरियां यमुना में मौत के गड्ढों में फंस गई, जिसकी वजह से जान चली गई। लेकर देहात तक यमुना में खनन की वजह से बने गड्ढे लोगों की जान ले रहे हैं। इसके बावजूद अफसर खानापूर्ति ही कर रहे हैं। यमुना के घाटों से लेकर आबादी के बीच से जाने वाले यमुना के किनारों पर जानकारी वाले बोर्ड नहीं लगाए जा रहे हैं। लोगों के नहाने वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग तक नहीं की जाती है।

ऐसे हुआ हादसा

नगला नाथू निवासी सुरेशचंद्र की तीन बेटियां मुस्कान (18), दिव्या (15), संध्या उर्फ कंचन (12), चचेरे बहन नैना (14) पुत्री दिनेश और चचेरे भाई दीपेश (14) पुत्र राजकपूर गांव के पास ही यमुना में नहाने गई थीं। नगला रामबल, जलेसर रोड के अशोक कुमार की बेटी शिवानी (17), टेढ़ी बगिया के अशोक की बेटी सोनम (12) भी अपने मौसा सुरेशचंद्र के घर आई हुई थीं। ये छह किशोरियां यमुना के मौत के गड्ढे में फंस गईं और जान चली गई। छह किशोरियों की मौत से गांव में हाहाकार मच गया।

बलिदानी लखविंदर सिंह की पार्थिव देह पहुंची गांव

तिरंगे को सीने से लगा रोई पत्नी, हर आंख हुई नम

संवाद न्यूज एजेंसी, पीलीभीत। सिक्किम भूस्खलन में पीलीभीत के हवलदार लखविंदर सिंह बलिदान हो गए थे। वह गांव धुरिया पलिया के रहने वाले थे। पार्थिव शरीर को गांव लाया गया। उनको अंतिम विदाई देने के लिए हजारों लोग उमड़े। सिक्किम भूस्खलन में बलिदान हुए पीलीभीत के हवलदार लखविंदर सिंह (38 वर्ष) की पार्थिव शरीर को बुधवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे गांव धुरिया लाया गया। तिरंगे में लिपटे बलिदानी पति को देख पत्नी रुपिंदर कौर बिलख पड़ीं। उनकी गोद में ढाई माह की मासूम बेटी थी, वह भी बिलख रही थी। मासूम बेटा एकमजोत सिंह फूट–फूटकर रोया। बुजुर्ग माता–पिता बदहवास हो गए। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। बलिदानी लखविंदर सिंह की पार्थिव देह को उनके घर के बाहर रखा गया। उनके अंतिम दर्शन करने के लिए हजारों लोग पहुंचे। प्रशासन–पुलिस की तरफ से अधिकारियों ने बलिदानी को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धाजंलि दी। सेना के जवानों ने सलामी दी।इस दौरान भारत माता की जय, लखविंदर सिंह अमर रहें के नारे गूंजते रहे। कलीनगर तहसील के गांव धुरिया पलिया निवासी लखविंदर सिंह सेना में हवलदार थे। वर्तमान में उनकी तैनाती सिक्किम में थी। बीते दिनों वहां हुए भूस्खलन में लखविंदर सिंह बलिदान हो गए। सोमवार शाम उनके बलिदान होने की सूचना परिवार को मिली।

गोरखपुर विरासत गलियारा

अतिक्रमण पर कार्रवाई...विरोध में हंगामा

व्यापारियों का आरोप– टीम ने की धक्का मुक्की

गोरखपुर। पांडेयहाता से धर्मशाला बाजार तक चौड़ी सड़क के प्रोजेक्ट विरासत गलियारा के निर्माण के दौरान काफी गहमा–गहमी रही। निर्माण में बाधक बन रही सीढ़ी को तोड़ने के लिए पीडब्ल्यूडी की टीम बुलडोजर लेकर पांडेयहाता पहुंची। सीढ़ी तोड़ने का दुकानदारों ने विरोध किया। इसको लेकर दुकानदारों से कहासुनी हुई। व्यापारियों का आरोप है कि उनसे धक्का–मुक्की की गई।

जिला प्रशासन, नगर निगम, गोरखपुर विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग की टीम ने मंगलवार को शहर और ग्रामीण कस्बों में अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की। इस दौरान लोगों ने कई जगह विरोध करते हुए हंगामा किया। बक्शीपुर में अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम की टीम से दुकानदार ने मारपीट कर ली।

विरासत गलियारा में निर्माण में बाधक बन रही सीढ़ी को तोड़ने पहुंची टीम पर व्यापारियों ने धक्का–मुक्की करने का आरोप लगाया। उधर, गोरखपुर–सोनौली फोरलेन पर जंगल कौड़िया में फ्लाईओवर की सर्विस लेन के निर्माण में बाधक बने अतिक्रमण को प्रशासनिक अधिकारियों ने हटवाया। स्थानीय लोगों ने इसपर विरोध जताया।

विरासत गलियारा – अधिकारियों ने दी मकान तोड़ने के लिए 15 दिन की मोहलत

पांडेयहाता से धर्मशाला बाजार तक चौड़ी सड़क के प्रोजेक्ट विरासत गलियारा के निर्माण के दौरान मंगलवार को काफी गहमा–गहमी रही। निर्माण में बाधक बन रही सीढ़ी को तोड़ने के लिए पीडब्ल्यूडी की टीम बुलडोजर लेकर पांडेयहाता पहुंची। सीढ़ी तोड़ने का दुकानदारों ने विरोध किया। इसको लेकर दुकानदारों से कहासुनी हुई। व्यापारियों का आरोप है कि उनसे धक्का–मुक्की की गई।

एक दुकानदार ने मोबाइल छीनने तो दो ने धक्का–मुक्की करने का आरोप लगाया। इसके बाद उद्घोषणा हुई कि जिन लोगों की रजिस्ट्री हो चुकी है, वे 15 दिन के अंदर अपने मकान तोड़ लें। जिन लोगों ने रजिस्ट्री नहीं कराई है, वे रजिस्ट्री करा लें। इसके बाद मामला शांत हुआ।

घंटाघर से कालीबाड़ी के बीच सीढ़ियों को मंगलवार को जेसीबी से तोड़कर हटाया जा रहा था। यह देख व्यापारी संजय कुमार ने विरोध जताया। उन्होंने तोड़फोड़ करने से पहले नोटिस देने की बात कही। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने इसके बारे में उद्घोषणा करने की बात कही। मकान तोड़ने और जमीन का मुआवजा देने की बातें भी हुईं। विरोध के दौरान व्यापारियों और अधिकारियों के बीच हुई कहासुनी का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

व्यापारी संजय कुमार ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी ने उनका मोबाइल छीन लिया था, जबकि दो व्यापारियों ने पुलिस पर धक्का देने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। इस मौके पर व्यापारी राजेश गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, संजय पटवा, राजन एवं सद्दाम आदि मौजूद थे।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, विरासत गलियारा में 830 मकान–दुकान तोड़े जाने हैं, जिसमें 550 रजिस्ट्री हो चुकी है। अधिकारियों ने व्यापारियों को 15 दिन की मोहलत दी। कहा कि वे सड़क के दायरे में आने वाले मकान–दुकान को तोड़ लें। यदि इस अवधि में मकान–दुकान नहीं तोड़े गए तो सरकारी खर्च से तोड़ने का कार्य किया जाएगा। साथ ही और इसका खर्च भी मकान मालिक से लिया जाएगा।

विरासत गलियारा में मकानों को तोड़ने के लिए टीम बुलडोजर ले गई थी, लेकिन सीढियों को तोड़ने के दौरान व्यापारियों ने समय मांगा तो उन्हें 15 दिन मोहलत दी गई है। नियमानुसार मुआवजा दिया जा रहा है। जो लोग भविष्य में दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे, उन्हें भी मुआवजा दिया जाएगा।

अरविंद कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता, पीडब्ल्यूडी

पीएम मोदी ने अपने आवास पर लगाया 'सिंदूर' का पौधा

पर्यावरण दिवस के मौके पर सीएम योगी ने लगाया पौधा

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार भी उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया है।

लखनऊ में ढाई साल की बच्ची से रेप

मुंह दबाकर मां के बगल से उठा ले गया दरिंदगी के बाद झाड़ियों में फेंका

लखनऊ,संवाददाता। *आलमबाग मेट्रो स्टेशन के नीचे सो रही ढाई साल की बच्ची से रेप कर झाड़ी में फेंक दिया गया। दरिंदगी से बच्ची के प्राइवेट पार्ट में गहरा घाव हुआ है। उसका गंभीर हालत में केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि बच्ची का प्राइवेट पार्ट बुरी तरह से डैमेज है। उसकी प्लास्टिक सर्जरी करनी होगी। घटना के समय बच्ची अपने मां–बाप के साथ आलमबाग मेट्रो स्टेशन के पुल के नीचे सो रही थी। तभी अज्ञात व्यक्ति उसका मुंह दबाकर उठा ले गया। उसके साथ रेप करने के बाद मृत समझकर फेंक दिया। घटनास्थल से 500 मीटर की दूरी पर दर्द से चीख रही बच्ची की दिव्यांग व्यक्ति ने आवाज सुनी। इसके बाद पीड़ित परिवार को जानकारी दी। घटना बुधवार देर रात की है।*

नाना बोले– बच्ची के कमर के नीचे से खून बह रहा था

बच्ची के नाना ने बताया– हम लोग उन्नाव के रहने वाले हैं। कल कूड़ा बीन कर आए थे। फिर खाना–पीने के बाद सो गए। देर रात कोई बच्ची को उठा ले गया। सुबह चार बजे एक बुजुर्ग ने जगाया तब घटना की जानकारी हुई। बच्ची लहुलूहान थी। उसके कमर के नीचे के हिस्से में घाव हुआ था। वहां से खून बह रहा था। मैं और दामाद बच्ची को लेकर लोकबंधु अस्पताल के लिए भागे। वहां डॉक्टरों ने रेप होने की जानकारी दी। पहले उन्होंने थ्त कराने को बोला। इसके हम लोग थाने गए और रिपोर्ट दर्ज कराई। बच्ची की हालत गंभीर होने पर हम लोग उसे केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर लाए हैं।

डाक्टर बोले– दर्द से कराह रहीं थीं बच्ची

राजनारायण लोकबंधु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ.राजीव दीक्षित ने बताया– सुबह साढ़े 7 बजे करीब पीड़ित परिवार बच्ची को लेकर आया। वह गंभीर हालत में दर्द से कराह रही थी। उसे तुरंत इमरजेंसी के प्न में शिफ्ट में किया गया। गायनी एक्सपर्ट डॉ. शालिनी कटियार, पीडियाट्रिक एक्सपर्ट डॉ. ब्रजेश कुमार, सर्जन डॉ. राजेश श्रीवास्तव सहित कई एक्सपर्ट ने बच्ची को एग्जामिन किया।

शुरुआती जांच में बच्ची के प्राइवेट पार्ट में मल्टीपल इंजरी मिली है, जिसके चलते उसे तत्काल सर्जरी की जरूरत थी। ऐसे में दोपहर 12 बजे करीब उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। झलडन ट्रॉमा सेंटर में पहुंचने के बाद उसे पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में भेजा गया है। वहां डॉ जेडी रावत की निगरानी में बच्ची का इलाज चल रहा है।

डीसीपी बोले– आरोपी की तलाश में 5 टीमें लगाईं

डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया– बच्ची से रेप की घटना की जानकारी मिली है। आलमबाग थाने में सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की तलाश के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। घटनास्थल के आस–पास के ब्ज्ट फुटेज की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

यूपी में गंगा दशहरा पर 9 लोगों की डूबकर मौत

वाराणसी में 1100 मीटर चुनरी चढ़ाई, प्रयागराज में उमड़े श्रद्धालु

वाराणसी। गंगा दशहरा पर वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या सहित प्रदेश में कई जगह घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। स्नान, पूजा और दान का सिलसिला चल रहा है।

प्रयागराज में संगम पर हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद सूर्य को अर्घ दिया। काशी में भी गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालु पहुंचे हैं।

अस्सी घाट पर मां गंगा को 1100 मीटर की चुनरी चढ़ाई गई। बागपत में दो छात्रों, बदायूं में एक युवक, कानपुर में तीन, फर्रुखाबाद में दो और फिरोजाबाद में एक की नहाते समय डूबने से मौत हो गई। देर रात से ही श्रद्धालु गंगा तट पर पहुंचने लगे थे।

सुबह से ही लोग मां गंगा में डुबकी लगाकर दान पुण्य कर आस्था में सराबोर नजर आ रहे हैं।

आज शाम काशी में विशेष गंगा आरती होगी। घाटों पर दीप सजाए जाएंगे।

दशमी तिथि 4 जून की रात 11:55 बजे से लगकर 6 जून की रात 2रू14 बजे तक है। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार गंगा दशहरा आज 5 जून को मनाया जा रहा है।

कानपुर में गंगा नाहते समय भांजी और दो मामा डूबे

कानपुर के बिल्हौर के कल्लू पुरवा गांव के निवासी 10 वर्षीय प्रियंका गंगा स्नान कर रही थी। इसी दौरान वह गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने के लिए उसके मामा बलराम और मामा का साला संदीप भी पानी में कूद गए।

तीनों ही गहरे पानी में चले गए और डूब गए। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने तीनों को पानी से बाहर निकाला। उन्हें तुरंत सीएचसी ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

बलराम कानपुर देहात के शिवली थाना क्षेत्र के औंगी गांव का रहने वाले थे।

उसकी शादी कोमल से तीन महीने पहले 18 फरवरी को हुई थी।

बुधवार को वह पत्नी उसके भाई संदीप और पिता रामविलास के साथ अपने बहन बहनोई के घर कल्लू पुरवा गांव में भांजी कृष्ण के मुंडन संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने आए थे।

काशी के 12 गांव में तेंदुए की दहशत

60 फीसदी लोग फूलों की खेती करते हैं, वो बर्बाद लोग बोले– अफसरों को नहीं पता तेंदुआ कहां है

वाराणसी शहर से सिर्फ 20 Km दूर दहशत

12 गांव में दहशत

गौराकला, बरियासनपुर, सीइयो, चिरईगांव, लखराव, कमौली, दीनापुर, रुस्तमपुर, शंकरपुर, नेवादा, कोटवा, आराजी नेवादा।

वाराणसी,संवाददाता। *12 गांव में 15 दिन से लोगों में तेंदुए की दहशत है, लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। इन गांवों में 60: आबादी फूलों की खेती करती है, बाकी लोग मजदूरी और छोटे–मोटे व्यापार करते हैं। अब लोग खेतों में नहीं जा रहे।*

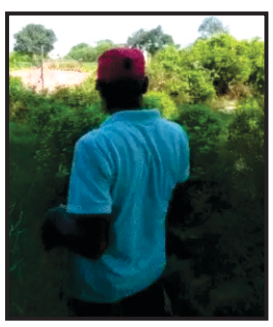

ज्यादातर लोग अपने बच्चों को अकेले घर से बाहर नहीं भेज रहे हैं। वन विभाग ने 23 मई को 36 घंटे के ऑपरेशन के बाद डिक्लेयर कर दिया कि तेंदुआ गौराकला गांव से लखरांव होते हुए चंदौली की तरफ निकल गया। मगर, किसी ***CCTV*** *में तेंदुआ नहीं दिखा, सिर्फ पैरों के निशान ही दिखे।*

ऐसे में इन गांवों की जिंदगी अभी तक पटरी पर नहीं उतर सकी है। गांव के लोगों से बात करके दो बातें समझ आई। पहली– 24 मई के बाद किसी ने तेंदुआ को देखा नहीं। दूसरी – 60 प्रतिशत परिवारों की आजीविका फूलों की खेती से चलती है। 12 दिन में खेती बर्बाद हो गई। क्या तेंदुआ अभी भी इन गांवों में है? वन विभाग क्या कर रहा है?

कातिल अदाओं से कहर ढाती हैं तारक मेहता की बबीता जी, जेठालाल भी रहते हैं फिदा

मुम्बई। मुनमुन दत्ता न सिर्फ अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए बल्कि अपनी फिटनेस और हेल्दी डाइट रूटीन के लिए भी जानी जाती हैं. उनकी डेली रूटीन आपको इंस्पायर्ड कर देगी. मुनमुन दत्ता न सिर्फ अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए बल्कि अपनी फिटनेस और हेल्दी डाइट रूटीन के लिए भी जानी जाती हैं. उनकी डेली रूटीन आपको इंस्पायर्ड कर देगी. तारक मेहता का उल्टा चश्मा में बबिता का रोल करने वाली खूबसूरत एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता न सिर्फ अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए बल्कि अपनी फिटनेस और हेल्दी डाइट रूटीन के लिए भी जानी जाती हैं. उनका वर्कआउट और खानपान का बैलेंस तरीका यंग और एक्टिव रहने का सीक्रेट है. जानिए मुनमुन अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए क्या करती हैं.

टीवी की सबसे ग्लैमरस एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता अक्सर अपनी सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं. जिसमें वह बेहद सिजलिंग अवतार में दिखती हैं. उनका ये ग्लैम लुक देखकर उनके फैंस हर बार अपना दिल दे बैठते हैं. उनकी ड्रेसिंग स्टाइल जितनी ग्लैमरस होती है उतनी ही परफेक्ट उनकी बॉडी टोनिंग और फिटनेस है. फैंस उनके पिक्चर्स पर कॉमेंट्स में लिखते हैं कि ये लुक सिर्फ स्टाइल का नहीं, बल्कि मेहनत का भी नतीजा है. उनकी ड्रेसिंग स्टाइल जितनी ग्लैमरस होती है उतनी ही परफेक्ट उनकी बॉडी टोनिंग और फिटनेस है. फैंस उनके पिक्चर्स पर कॉमेंट्स में लिखते हैं कि ये लुक सिर्फ स्टाइल का नहीं, बल्कि मेहनत का भी नतीजा है. मुनमुन अपने एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. उनके अकाउंट में फैशन सेंस, वर्कआउट वीडियो और हेल्दी डाइट टिप्स से भरा हुआ है. फैन्स उन्हें फिटनेस आइकन के तौर पर फॉलो भी करते हैं. मुनमुन अपने एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया इंस्टाग्राम

प्रियामणि के पास है साड़ियों का शानदार कलेक्शन

41 की उम्र में भी दिखती हैं बेहद खूबसूरत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ प्रियामणि बॉलीवुड में भी अपनी धाक जमा चुकी हैं. वो आज अपना 41वां बर्थडे मनाएंगी. देखिए उनकी शानदार साड़ियों का कलेक्शन.

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ प्रियामणि आज बॉलीवुड में भी अपनी धाक जमा चुकी हैं. वो आज अपना 41वां बर्थडे मनाएंगी. देखिए उनकी शानदार साड़ियों का कलेक्शन.

साउथ इंडस्ट्री के साथ अब बॉलिवुड में भी पॉपुलर, एक्ट्रेस प्रियामणि आज यानी 4 जून को अपना 41 वा बर्थडे मनाएंगी. अक्सर अदाकारा अपने साड़ी लुक्स के लिए चर्चा में रहती हैं.

प्रियामणि को हमेशा ही अलगदृअलग साड़ियों में देखा गया है. हर अदाकारा के साड़ी लुक्स ऑडियंस को काफी इंप्रेस भी करते हैं.

प्रियामणि को हमेशा ही अलगदृअलग साड़ियों में देखा गया है. हर अदाकारा के साड़ी लुक्स ऑडियंस को काफी इंप्रेस भी करते हैं।

रवि दुबे और सरगुन मेहता ने की अपने

नए प्रोजेक्ट की घोषणा

एंटरटेनमेंट डेस्क। एक्टर–प्रोड्यूसर रवि दुबे और उनकी पत्नी व अभिनेत्री सरगुन मेहता ने अपने प्रोडक्शन हाउस ज़ीमियाता ड्रामा के नए प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। साथ ही दोनों ने अपने नए वर्टिकल 'ज़ीमियाता ड्रामा डिस्कवरी' की भी घोषणा की है। इसके तहत उनका पहला प्रोजेक्ट एक फिल्म है, जिसमें दिग्गज अभिनेता संजय मिश्रा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

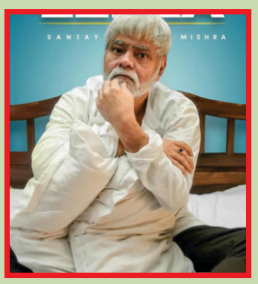

रवि दुबे ने इंस्टाग्राम पर शेयर की पोस्ट

रवि दुबे ने अपने इस नए प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। जिसमें संजय मिश्रा नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए रवि दुबे ने लिखा, 'ज़ीमियाता ड्रामा के एक नए वर्टिकल 'ज़ीमियाता ड्रामा डिस्कवरी' की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। जहां हम अपने प्लेटफॉर्म पर सिंडिकेटेड कंटेंट दिखाएंगे। स्लेट से पहला है 'चंपा लीला', जिसमें दिग्गज कलाकार संजय मिश्रा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

यूट्यूब पर आएगी 'चंपा लीला'

रवि और सरगुन का यह नया प्रोजेक्ट उनके ज़ीमियाता ड्रामा के यूट्यूब चौनल पर रिलीज होगा। हालांकि, प्रोजेक्ट को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन प्रोजेक्ट के नाम 'चंपा लीला' होने से और इसमें संजय मिश्रा के होने से इसको लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है।

कई टीवी सीरियल और शो प्रोड्यूस कर चुके हैं रवि–सरगुन

टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले रवि दुबे और सरगुन मेहता एक्टर होने के साथ–साथ प्रोड्यूसर भी हैं। दोनों ने कई म्यूजिक वीडियो, टीवी सीरियल और वेब शो प्रोड्यूस किए हैं। हाल ही में दोनों ने अपना एक नया शो 'तुझसे है आशिकी' की घोषणा की थी। जो 6 जून को शाम 5 बजे ज़ीमियाता ड्रामा पर प्रीमियर होगा। इसके अलावा दोनों ने उड़ारियां और मत्स्यकांड जैसे शो को भी प्रोड्यूस किया है।

पहाड़ों में भेड़ चराती नजर आईं सिंगर नेहा कक्कड़, हाथों से खिलाया खाना

बनारसी साड़ी में मोनालिसा के कातिलाना लुक

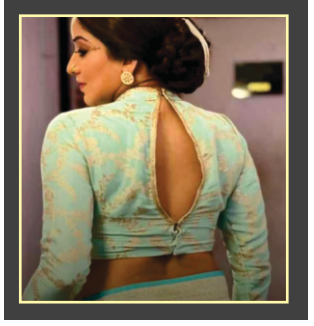

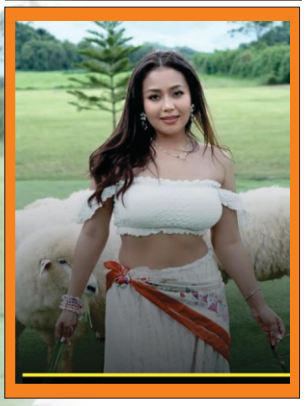

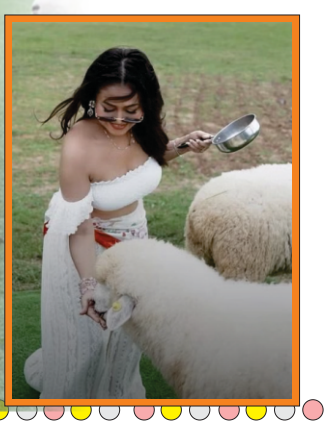

उम्र का अंतर...

फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज, रोमांटिक अंदाज में नजर आए विक्रांत–शनाया

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर फिल्म आंखों की गुस्ताखियांसे डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का पहला पोस्ट सामने आते ही वायरल हो गया है। इस पोस्टर में विक्रांत मैसी और शनाया रोमांटिक अंदाज में एक घोड़े पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस फिल्म को संतोष सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के साथ डेब्यू करने वाली हैं। इस मूवी में उनके अपोजिट 12जी फेल एक्टर विक्रांत मैसी नजर आएंगे। ये एक रोमांटिक मूवी होगी। फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेकर्स ने शेयर किया रोमांटिक पोस्टर

अब मेकर्स ने मूवी का एक फर्स्ट लुक पोस्ट रिलीज किया है जिसमें कपल एक एम्यूजमेंट पार्क में नजर आ रहे हैं। विक्रांत और शनाया एक रोमांटिक माहौल में घोड़े पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस फर्स्ट पोस्टर ने एक टोन सेट कर दी है जो दिखा रहा है कि मूवी की कहानी एक रोमांटिक और ड्रिमी बैकग्राउंड में सेट की गई है। वह शनाया का हाथ धीरे से पकड़े हुए हैं। दोनों एक दूसरे की तरफ झुके हुए हैं और उनकी आंखें बंद हैं। बड़े ही प्यार से विक्रांत ने अपना हाथ शनाया के हाथों में डाला हुआ है।

रेड कलर की ड्रेस में नजर आईं शनाया

विक्रांत ने कैजुअल ब्राउन जैकेट और ट्राउजर पहना हुआ है। वहीं दूसरी तरफ शनाया लाल रंग की सीक्विन्ड थाई–हाई स्लिट ड्रेस में नजर आईं। उन्होंने हाथ में सनग्लास पकड़ रखा है। बैकग्राउंड में गोल्डन लाइट्स दिखाई दे रही हैं।

दोनों के बीच कितना है उम्र का अंतर?

फर्स्ट लुक पोस्टर पर फैंस मिली–जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोग इस नई जोड़ी को लेकर उत्साहित हैं, जबकि अन्य ने दोनों की उम्र के बीच अंतर को लेकर सवाल किया। विक्रांत 38 साल के हैं जबकि शनाया 25 की हैं। जताई है। दोनों की उम्र में 13 साल का अंतर है।

फैंस ने कहा –अच्छी जोड़ी नहीं

एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा,ष्उम्र का अंतर दिख रहा हैष् दूसरे ने कहा, ष्यह बहुत पुराना कैंपेन हो चुका हैष्। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया,ष्विक्रांत मैसी शनाया कपूर के साथ अच्छे नहीं लग रहे।ष्

आंखों की गुस्ताखियां 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अप्रैल में जी स्टूडियोज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो अनाउंसमेंट के जरिए रिलीज डेट की अनाउंसमेंट की थी। उन्होंने कैप्शन लिखा, ष्इस मानसून में सिर्फ गिरना नहीं है, बल्कि प्यार को महसूस करना है। रुआंखों की गुस्ताखियां 11 जुलाई 2025 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में।

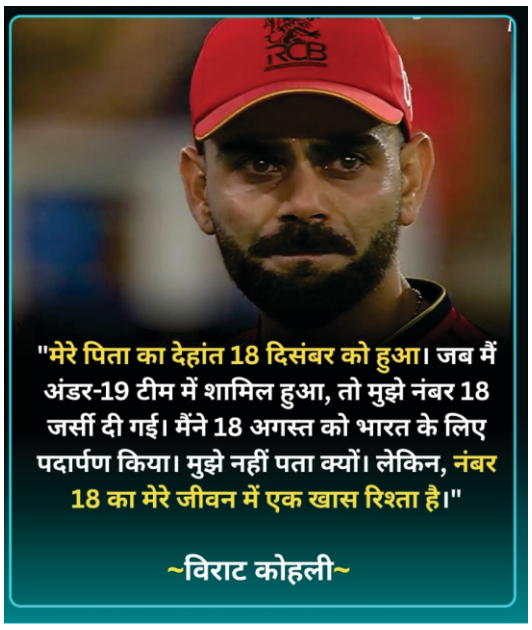

हाईप्रोफाइल रिंग सेरेमनी में क्रिकेटर्स ने किया एंजाय

प्रवीण कुमार ने सबसे अधिक समय दिया, प्रिया ने बयां किए जज्बात

*लखनऊ। सेंट्रम होटल में रविवार को दिनभर **VIP** मोमेंट बना रहा। हाईप्रोफाइल रिंग सेरेमनी में रिंकू–प्रिया की केमेस्ट्री सुबह से ही शानदार दिखी, जहां प्रिया अपनी फीलिंग्स बयां करती दिखीं। वहीं, रिंकू अपने जज्बात बयां करने में सबके सामने झिझकते नजर आए। वह प्रिया का ख्याल रखते हुए भी दिखाई दिए।*

प्रिया ने सगाई की रस्म के बाद एक्स पर लिखा–

यह दिन हमारे दिलों में लगभग तीन साल से बसा हुआ था। और यह इंतजार हर पल के लायक था। पूरे दिल से हम एक–दूसरे के साथ इंगेज हुए हैं। हमेशा के लिए। रिंग सेरेमनी में रिंकू ने जहां सिर्फ अपने खास दोस्तों और कुछ क्रिकेटर्स सहित परिवार को सिर्फ इनवाइट किया। वहीं, प्रिया सरोज की तरफ से हाईप्रोफाइल गेस्ट बुलाए गए। इसमें अखिलेश यादव से लेकर जया बच्चन और कई राजनेता शामिल थे। वहीं, यूपी क्रिकेट से जुड़े खिलाड़ियों का दिन भर जमावड़ा रहा। प्रवीण कुमार ने सबसे अधिक समय रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की सगाई में दिया। प्रिया ने भी प्रवीण से सबसे पहले मुलाकात की। सेलेक्टेड क्रिकेटर्स रिंग सेरेमनी में बुलाए गए। मौके पर गेस्ट्स ने डायमंड ज्वैलरी गिफ्ट करने के साथ में गोल्ड और कपड़े भी गिफ्ट किए।

युजवेंद्र चहल और राहुल तेवतिया नहीं आए

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी रिंकू सिंह की सगाई में 8 क्रिकेटर्स को आमंत्रित किया गया। इसमें भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार, पूर्व स्टार स्पिनर पीयूष चावला, प्स् गेंदबाज यश दयाल, भुवनेश्वर कुमार, आकाश वर्मा, आर्यन जुयाल सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हे। युजवेंद्र चहल और राहुल तेवतिया कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। रिंकू सिंह की तरफ से इन्हें भी सगाई का न्योता दिया गया था। इन लोगों के लिए खास इंतजाम किए गए थे। रिंकू सिंह की ओर से राजीव शुक्ला इनवाइट थे, जो कि ठब्ब् के उपाध्यक्ष हैं।

क्रिकेटर्स ने किया एंज ाय

होटल सेंट्रम में आयोजित कार्यक्रम में क्रिकेटर्स ने जमकर मस्ती की। भुवनेश्वर कुमार और यश दयाल ने डांस किया। प्रवीण कुमार ने सबसे अधिक देरी तक होटल में स्टे किया। सगाई होने के बाद वह अपनी डिफेंडर से वापस लौट गए। रिंकू ने प्रवीण कुमार, पीयूष चावला, भुनेश्वर कुमार, यश दयाल को अपने पेरेंट्स से रिंकू ने मिलवाया।

परिवार का ख्याल रखते नजर आए रिंकू

लखनऊ पहुंचे रिंकू सिंह सगाई के पहले और बाद में परिवार के लोगों का ख्याल रखते हुए नजर आए। बच्चों को दुलारते दिखे। घर की बहन, मां भाभी और चाची के साथ वह ब्रेक फॉस्ट, लंच और डिनर करते टेबल पर दिखे। इस बीच परिवार के लोगों की छोटी छोटी जरूरतों को भी वह पूरा करते हुए नजर आए।

राजीव शुक्ला बोले– बहुत अच्छी जोड़ी

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बहुत अच्छी जोड़ी है। दोनों बहुत सफल हैं। जोड़ी शानदार रहेगी। उन्होंने कहा कि शुभ मंगल के नेतृत्व में टीम इंग्लैंड की सीरीज जीतेगी। यंग ब्लड है लेकिन सिलेक्टर्स का यह एक्सपेरिमेंट सफल होगा। निश्चित तौर पर विराट कोहली और रोहित शर्मा की कमी खलेगी। क्रिकेट के सभी प्रारूप से संन्यास ले चुके स्टार स्पिनर पीयूष चावला ने कहा कि दोनों बच्चों को आशीर्वाद और खूब सारा प्यार दिया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने कहा कि दोनों ने जीवन की शुरुआत कर रहे हैं उनका जीवन सुख में बीते इसके लिए शुभकामनाएं।

कुलदीप यादव ने अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ सगाई कर ली है। कुलदीप यादव और वंशिका को हृदय से बधाई!

पिता की मौत हो या कैंसर की बीमारी हर मुसीबत में हिना खान की ढाल बने राकी

मुम्बई। हना खान ने रॉकी जायसवाल को शादी से पहले लगभग 11 साल डेट किया. रॉकी ने हर मुसीबत में हिना का साथ दिया और हर कदम पर उनके साथ खड़े रहे.। पता की मौत हो या कैंसर की बीमारी हर मुसीबत में हिना खान की ढाल बने रॉकी, जानें कैसे शुरू हुई थी दोनों की लव स्ओरी हिना खान टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं. हिना इन दिनों बेहद ही मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. हालांकि, इसी कठिन वक्त में हिना ने अपने फैंस को जो तोहफा दिया है वो काबिल–ए–तारीफ है. दरअसल, हिना अपने लॉन्गटर्म बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के संग शादी के बंधन में बंध चुकी हैं. हिना और रॉकी ने बेहद ही सिंपल तरीके से शादी की, लेकिन उनके फैंस के लिए ये मूवेंट काफी इमोशनल रहा.बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि आखिर हिना और रॉकी की लव स्टोरी कैसे शुरू हुई थी. दोनों की पहली मुलाकात ये रिश्ता के सेट पर हुई थी.

अपना रिश्ता मीडिया से नहीं छुपाया

हिना ने इस शो में 8 साल तक अक्षरा की भूमिका निभाई थी, वहीं रॉकी शो के सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर थे. धीरे–धीरे हिना और रॉकी में दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया. कपल ने कभी भी अपने रिश्ते को मीडिया से नहीं छुपाया. हिना के साथ रॉकी हमेशा मजबूत ढाल बनकर खड़े रहे, फिर चाहे वो करियर में उथल–पुथल हो या पर्सनल लाइफ की परेशानियां.

गुपचुप की शादी

जब हिना खान के पिता का निधन हुआ था तब भी रॉकी ने ही उन्हें संभाला था. हिना और रॉकी ने गुपचुप तरीके से शादी की है. इस खास मौके पर सिर्फ उनके परिवार और दोस्त ही उपस्थित थे. सोशल मीडिया पर हिना ने जैसे ही शादी की तस्वीरें शेयर कीं, फैंस से लेकर सेलेब्स तक ने बधाई देनी शुरू कर दी।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।